नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

लोकतंत्र की नींव को सशक्त करने का अवसर

भारत में 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बुधवार से जनगणना की प्रक्रिया का आरंभ हो गई. यह सिर्फ एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियादी संरचना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है. स्वतंत्र भारत की 8 वीं और कुल 16 वीं जनगणना ऐसे समय में हो रही है, जब देश तेजी से डिजिटल परिवर्तन, सामाजिक बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के दौर से गुजर रहा है. ऐसे में यह जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि भारत के वर्तमान और भविष्य का दस्तावेज बनने जा रही है.

इस बार की सबसे बड़ी विशेषता इसका पूरी तरह डिजिटल होना है. 'डिजिटल इंडिया' के विजन को साकार करते हुए जनगणना प्रक्रिया को पेपरलेस बनाना एक ऐतिहासिक कदम है. इससे न केवल डेटा संग्रहण की गति बढ़ेगी, बल्कि पारदर्शिता और सटीकता भी सुनिश्चित होगी. 2011 की जनगणना में जहां परिणाम आने में वर्षों लग गए थे, वहीं अब तकनीक के सहारे यह प्रक्रिया कहीं अधिक तेज और प्रभावी होगी. हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि डिजिटल विभाजन देश के कुछ हिस्सों में अब भी मौजूद है, जिसे दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी होगी.

'स्वयं-गणना' की सुविधा इस जनगणना को और अधिक सहभागी बनाती है. नागरिकों को पहली बार अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का अधिकार देना, शासन में उनकी भागीदारी को बढ़ाता है. यह पहल न केवल पारदर्शिता को बढ़ाएगी, बल्कि लोगों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना भी विकसित करेगी. लेकिन इसके लिए डिजिटल साक्षरता और डेटा सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, ताकि लोग बिना किसी आशंका के इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें. दरअसल, दो चरणों में आयोजित की जा रही यह जनगणना अधिक व्यवस्थित और व्यापक होगी. पहले चरण में आवास और बुनियादी सुविधाओं का आंकलन, और दूसरे चरण में सामाजिक-आर्थिक व व्यक्तिगत विवरण का संग्रह, नीति निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा. विशेष रूप से, जाति से जुड़े संभावित आंकड़ों का संग्रह एक संवेदनशील और बहस का विषय है, जिसका उपयोग संतुलित और जिम्मेदार तरीके से किया जाना चाहिए. सरकार द्वारा यह स्पष्ट करना कि किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ दिखाने की आवश्यकता नहीं है, जनगणना को सहज और सर्वसमावेशी बनाता है. इससे उन वर्गों की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी, जो कागजी प्रक्रियाओं के कारण अक्सर पीछे रह जाते हैं. साथ ही, बहुभाषी ऐप और व्यापक बजट प्रावधान इस बात का संकेत देते हैं कि सरकार इस अभियान को सफल बनाने के लिए गंभीर है.

यह भी ध्यान रखना होगा कि जनगणना के आंकड़े केवल वर्तमान नीतियों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि भविष्य की राजनीतिक और प्रशासनिक दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. परिसीमन की प्रक्रिया में इन आंकड़ों का उपयोग होने की संभावना इसे और अधिक संवेदनशील और महत्वपूर्ण बनाती है.

ऐसे में यह प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह जनगणना में पूर्ण सहयोग करे. सही और सटीक जानकारी देना न केवल एक कर्तव्य है, बल्कि देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का माध्यम भी है. जनगणना के आंकड़े ही तय करते हैं कि संसाधनों का वितरण कैसे होगा, योजनाएं कहां और कैसे लागू होंगी, और किन क्षेत्रों को विशेष ध्यान की आवश्यकता है. कुल मिलाकर जनगणना केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि 'जन-भागीदारी से जन-कल्याण' का सशक्त उदाहरण है. यदि हर नागरिक इसमें ईमानदारी और जागरूकता के साथ भाग लेता है, तो यह अभियान भारत के उज्ज्वल और संतुलित भविष्य की मजबूत नींव रख सकता है.

खाद्य मिलावट से सख्ती से निपटे सरकार

हानिकारक तेलों और पशु-चर्बी का व्यापक रूप से इस्तेमाल सड़क किनारे के ढाबों और कुछ भोजनालयों में मक्खन के रूप में किया जाता है. केंद्र और राज्य सरकारों को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने चाहिए, जिससे देश में मिलावटी 'मक्खन' का उपभोग संभव न हो सके. तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में कुछ साल पहले लड्डुओं के पवित्र प्रसाद में मिलावटी घी के उपयोग की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी, जिससे यह साफ हो गया है कि ऐसे निवारक कदम उठाए जाएं जिससे हलवाइयों और भोजनालयों द्वारा इस प्रकार का मिलावटी देसी घी उपयोग में न लाया जा सके. देसी घी के निर्माता का ब्रांड-नाम और दूसरी जरूरी जानकारी अनिवार्य रूप से भारतीय खाद्य सुरक्षा तथा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ साझा की जानी चाहिए.

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि सभी खाद्य केंद्रों के संचालकों, मालिकों और प्रबंधकों का नाम और पता प्रदर्शित किया जाए, साथ ही रसोइयों और वेटरों के लिए मास्क व दस्ताने पहनना अनिवार्य किया जाए. इसके साथ ही होटलों और रेस्तरां में सीसीटीवी कैमरा लगाया जाना भी जरूरी है. हिमाचल प्रदेश सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भी इसी नियम के पालन की इच्छा जताई है. सभी राज्यों को ये कदम उठाने चाहिए.

खाद्य वस्तुओं की दोहरी कीमत न रखी जाए

भारत सरकार की सार्वजनिक कंपनियां तमाम सुविधाएं और सब्सिडी पाकर भी कोई अंतरराष्ट्रीय रैकिंग क्यों नहीं पाती हैं. इसी संदर्भ में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन तथा मदर डेयरी के प्रबंधन से पूछा जाना चाहिए कि सार्वजनिक पैसे के भारी निवेश के बावजूद आखिर वे विश्व के शीर्ष 100 ब्रांडों में अपनी जगह क्यों नहीं बना सके ? सरकार को पानी की बोतलों और खाद्य वस्तुओं की दोहरी कीमत की अनुमति भी नहीं देनी चाहिए. एक सामान्य कीमत खुले बाजार के लिए और दूसरी उड़ानों, थिएटरों और पांच सितारा होटलों के लिए, यह उपभोक्ता-विरोधी प्रथा बंद होनी चाहिए,

हमारे यहां भोजनालयों के भंडारों में चूहों का भागना-दौड़ना बहुत आम है, जिससे रसोई गंदी होती हैं. एफएसएसएआई ने खाना पकाने के लिए बार-बार तले जाने वाले तेल के नियंत्रण पर महत्वपूर्ण कदम उठाया है. क्योंकि बार-बार ऐसा करने से यह तेल हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाता है. समय आ गया है कि भोजनालय चाहे कितना छोटा क्यों न हो, वहां आरओ जल-शुद्धिकरण यंत्र लगाना जरूरी है.

शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के लिए रसोई के बर्तन अलग-अलग हों, ताकि शाकाहारी लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जा सके, केंद्र सरकार को चाहिए कि वह योग की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शाकाहारी भोजन को बढ़ावा दे और सभी सरकारी आयोजनों में केवल शाकाहारी भोजन ही परोसा जाए, इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए. अयोध्या और मथुरा जैसे पवित्र शहरों में हिंदुओं की भावनाओं के अनुरूप मांस की बिक्री पहले से ही प्रतिबंधित है, वहां शाकाहार को बढ़ावा मिल रहा है. इसलिए भारत सरकार को संयुक्त राष्ट्र से संपर्क करके 1 अक्टूबर को विश्व शाकाहार दिवस मनाए मिल जाने का अनुरोध करना चाहिए. स्कूलों और रेलगाड़ियों में ताजा पकाए गए भोजन की जगह ब्रांडेड पैक्ड खाद्य पदार्थ मिलने चाहिए.

आए दिन ऐसी रिपोर्ट्स देखने को मिलती हैं कि स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के रूप में पकाए गए चावल और दाल घटिया क्वालिटी के हैं. यहीं नहीं उनमें कीड़े-मकोड़े, मेंढक, छिपकली और चूहे तक पाए जाते हैं. इसलिए पैक्ड भोजन ज्यादा भरोसेमंद होगा. सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल 2021 को केंद्र और राज्य सरकारों से उन रिपोर्टों पर टिप्पणी मांगी थी, जिनमें कहा गया था कि भारत में प्रसिद्ध कंपनियों के लोकप्रिय ब्रांडों में भी मिलावटी शहद बेचा जा रहा है. पाया गया था कि चीन से आयातित एक विशेष प्रकार की चीनी को शहद में मिलाकर एफएसएसएआई के परीक्षण मानक को भी पास किया जा सकता है. राजधानी दिल्ली स्थित सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट द्वारा किए गए शोध के अनुसार भारत में बेचे जा रहे शहद के 70 नमूनों में से केवल 3 ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत हो सके थे.

-सुभाषचंद्र अग्रवाल

ग्वालियर चंबल डायरी

क्या मिशन 28 का चेहरा बनने की कवायद में जुटे हैं अजय सिंह!

हरीश दुबे

प्रदेश की कई कांग्रेसी सरकारों में मंत्री, शिवराज के कार्यकाल में नेता प्रतिपक्ष और सात बार के विधायक अजय सिंह एक बार फिर ग्वालियर अंचल के दौरे पर हैं. वे अभी बीस रोज पहले ही इस अंचल के चार रोजा दौरे पर आए थे और अब आज दो अप्रैल को शिवपुरी में रहेंगे. खास बात यह है कि राहुल भैया के नाम से पहचाने जाने वाले अजय सिंह ने पिछले महीने ग्वालियर चंबल के बाद बुंदेलखंड की भी राजनीतिक यात्रा की थी. चूंकि इस अंचल में कांग्रेस की राजनीति में दिग्विजय, कमलनाथ और जीतू पटवारी के खेमे वर्चस्व बनाए हुए हैं लिहाजा विंध्य के इस कद्दावर नेता द्वारा चंबल की सियासत में स्पेस बनाने की कवायद राजनीति के जानकारों को चौंका रही है.

कांग्रेसी दौर में प्रदेश की राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले स्व. अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह अपने इन हालिया दौरों में बार बार दोहरा रहे हैं कि 2028 के चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है. उम्र के तकाजे के चलते दिग्विजय और नाथ भले ही 28 में सीएम पद की रेस में शामिल न हों लेकिन पटवारी और उमंग सिंघार स्पर्धा में डटे हैं. सूबाई राजनीति में बने रहने के लिए ही पटवारी यह कह चुके हैं कि दिग्विजय के रिटायर होने से खाली हो रही

राज्यसभा सीट के लिए वे दावेदार नहीं हैं. पटवारी और सिंघार के समर्थक अप्रत्यक्ष रूप से अपने नेताओं को मिशन 28 का चेहरा मानते हैं और अजयसिंह की राजनीतिक यात्राओं का निहितार्थ भी यही माना जा रहा है. यही वजह है कि विंध्य के क्षेत्रीय नेता की छवि से आगे बढ़कर खुद को सम्पूर्ण प्रदेश के नेता के रूप में स्थापित करने के लिए वे अब बार बार चंबल और बुंदेलखंड के लिए दौड़ लगा रहे हैं. पिछले महीने उन्होंने ग्वालियर चंबल के लगभग सभी जिलों को एक एक दिन दिया था. ग्वालियर कांग्रेस के भगवान सिंह यादव, बालेंदु शुक्ला, सतीश सिकरवार, लाखन सिंह यादव, सुरेन्द्र यादव जैसे तमाम बड़े नेताओं से घर जाकर मुलाकात की थी. अब यही किस्सा कल शिवपुरी में दोहराए जाने वाला है. जिलाध्यक्ष मोहित अग्रवाल से लेकर विधायक कैलाश कुशवाहा, पूर्व विधायक गणेश गौतम, विजयसिंह चौहान और प्रियंका शर्मा आदि दर्जनों नेताओं ने अलग अलग स्वागत जलसे रखे हैं.

यह शहर है अमन का, प्रशासन जुटा इंतजाम में

धार्मिक भावनाओं और सामाजिक संवेदनाओं से जुड़े दो महत्वपूर्ण दिवस या त्यौहार एक ही दिन फंस जाएं तो पुलिस और प्रशासन की चुनौतियां बढ़ जाती हैं. हालांकि अलग अलग धार्मिक आस्थाओं वाले दो त्यौहार एक ही दिन पड़ने के वाकये पहले भी हुए हैं और प्रशासन के इंतजाम मुस्तैद और कामयाब रहे. कुछ कुछ ऐसी ही परिस्थितियां कल गुरुवार, 2 अप्रैल को निर्मित हुई हैं. हनुमान जयंती भी है और 2 अप्रैल 2018 को एट्रॉसिटी एक्ट के विरोध में हुए जातीय दंगों की बरसी भी है. हर साल 2 अप्रैल के दिन ग्वालियर में पुलिस प्रशासन खासा सतर्क रहता है. शहर की संवेदनशील मानी जाने वाली बस्तियों में पुलिस की तैनाती के साथ सतर्कता बरती जाती है ताकि आठ साल पहले के त्रासद वाकये की पुनरावृत्ति न हो. हनुमान जयंती पर शहर से लेकर देहात तक के मंदिरों पर मेलों के आयोजन के चलते पुलिस को अलग से इंतजाम चाक चौबंद रखना पड़ेंगे.

समर नाइट मेला का अब तक नहीं अता पता

ग्वालियर व्यापार मेला खत्म हुए महीना भर से ज्यादा वक्त होने को आया, इसके बाद गरीबों का मेला लग गया, वह भी उठ गया. अब मेला परिसर में दो और मेले चल रहे हैं, पहला पुस्तक मेला और दूसरा अग्नि सुरक्षा मेला. इन दोनों मेलों का व्यापार मेला प्राधिकरण से कोई ताल्लुक नहीं है. क्रमश : जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा लगाए इन मेलों में भीड़ आ रही है लेकिन मेला प्राधिकरण के तयशुदा कैलेंडर के मुताबिक लगाए जाने वाले समर नाइट मेला का अभी तक कोई अता पता नहीं है जबकि अप्रैल शुरू हो चुका है. समर नाइट मेला के लिए प्राधिकरण ने अभी तलक सींक भी नहीं धरी है. न तो व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन शुरू हुए हैं और न इस मेला के लिए जगह ही चिन्हित की गई है. पिछले कई बरस से लगते आ रहे समर नाइट मेला का प्रयोग सफल रहा है लेकिन सच्चाई यह है कि मेला प्राधिकरण ने इस आयोजन को कभी गंभीरता से नहीं लिया. महीना भर के इस आयोजन को औपचारिकता मानकर निपटा दिया जाता है. व्यापारियों ने अब इस मेला को गरिमामय रंग देने और तैयारी जल्द शुरू करने के लिए प्राधिकरण के सेक्रेट्री पर दवाब बनाया है.

नेपाली पीएम बालेन शाह के सम्मुख चुनौतियां

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन शाह ने जिस जेन जी आंदोलन वाली सीढ़ी की बदौलत सत्ता हासिल की, उसी सीढ़ी को उन्होंने अन्य लोगों के लिए प्रतिबंधित कर दिया. उन्होंने छात्र संगठनों के आंदोलन पर रोक लगा दी. यह शाह की चतुराई है ताकि अन्य कोई नेता उनके खिलाफ विद्यार्थियों या युवा पीढ़ी का इस्तेमाल न करने पाए. उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली व पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को जेल भिजवा दिया तथा बड़े राजनेताओं की संपत्ति की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की. इस समिति में कानून, वित्त और राजस्व क्षेत्र के विशेषज्ञों का समावेश होगा. जेन जी आंदोलन के जरिए श्रीलंका व बांग्लादेश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ लेकिन उससे इन देशों की सारी समस्याएं मिट नहीं गईं. श्रीलंका में अनुरा कुमार दिसानायके व बांग्लादेश में तारिक रहमान के सामने अब भी चुनौतियां कायम हैं. बालेन शाह को भी कठिन परीक्षा से गुजरना होगा. नेपाल में जीडीपी की तुलना में कर्ज का अनुपात बढ़कर 47.13 प्रतिशत पर पहुंचा है. इसे कम कर लोगों का जीवनस्तर सुधारने के लिए उद्योगों को बढ़ावा देना होगा. युवाओं को रचनात्मक कार्य में सहभागी बनाकर उनकी बेरोजगारी दूर करनी होगी. बालेन शाह जनहित में काम करेंगे तभी उनकी लोकप्रियता कायम रह पाएगी. भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है. ऊर्जा निर्माण तथा बुनियादी

सुविधाओं के विकास के लिए भारत की मदद लेना जरूरी है. बालेन शाह को सावधानी रखनी होगी कि के.पी. शर्मा ओली या पुष्पकमल दहल प्रचंड के समान चीन का मोहरा न बनें तथा भारत से व्यर्थ तनाव न पनपने दें. नेपाल को अनाज, पेट्रोल, डीजल तथा अत्यावश्यक वस्तुओं की सप्लाई भारत से ही होती है. शाह को भारत व चीन के बीच संतुलन साधना होगा. इसके साथ ही उन्हें जेन जी को भी संभालना जरूरी है. क्योंकि यह पीढ़ी शीघ्र ही बहुत कुछ पाने की उम्मीद रखती है. खुद बालेन शाह ने रैपर के तौर पर गाए अपने गीतों में युवाओं के आक्रोश, उनकी समस्याओं व प्रश्नों को पेश किया था. इस समय अंतरराष्ट्रीय स्थितियां प्रतिकूल चल रही हैं. पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से विश्व की अर्थव्यवस्था हिल गई है. ऐसे हालात में बालेन शाह को सूझबूझ व सहयोग से शासन चलाना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आश्चर्यजनक किस्मत का चक्कर नर्स बन गई हेल्थ मिनिस्टर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमने भाग्य को लेकर सुना था- पढ़ें फारसी बेचें तेल, ये देखो किस्मत का खेल! एक पुराने फिल्मी गीत के बोल थे- इधर तो हाथ ला प्यारे, दिखाऊं दिन में भी तारे, लिखा है क्या लकीरों में, फकीरों से सुन जा रे! हमारे कहने का मतलब है नच विद्या, नच पौरुषं, भाग्यं सर्वत्र लभेत ! न विद्या काम आती है, न बाहुबल ! व्यक्ति का भाग्य या प्रारब्ध ही उसको नचाता है. अमीरी-गरीबी, सुख-दुख, मिलन बिछोह, जन्म-मृत्यु सब उस प्रारब्ध के अनुसार होते हैं जो ईश्वर ने तय कर रखा है.'

हमने कहा, 'बेकार का ज्ञान मत बघारिए. व्यक्ति अपने कर्म से स्वयं का भाग्य बनाता है. वकील, डॉक्टर, इंजीनियर पढ़-लिखकर अपनी योग्यता से उपलब्धि पाते हैं. हुनर डॉक्टर सीखो और अपनी किस्मत खुद संवारो.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि एम्स दिल्ली में प्रशिक्षित नर्स निशा मेहता नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री बन गई. अब वह ज्यादा अच्छे से हेल्थ केयर कर सकेंगी. वह स्वास्थ्य समस्याओं की बुनियादी

जानकार हैं. क्लास रूम की पढ़ाई और अस्पतालों के वार्ड की ड्यूटी से बाहर निकलकर उन्होंने राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया. नेपाल के प्रधानमंत्री बालेनशाह भी रैप सॉन्ग गाने वाले रैपर रह चुके हैं.

अपने देश में एकता कपूर के टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में लगातार 7 वर्षों तक तुलसी बहू का किरदार निभाने वाली स्मृति ईरानी 2019 में राहुल गांधी को अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव में हराकर केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री बन गई थीं. इस 12वीं पास महिला के अधीन देश के सारे विश्वविद्यालयों के विद्वान वॉइस चांसलर और डीन आते थे. जब किस्मत ने पलटा खाया तो 2024 में स्मृति ईरानी चुनाव हार गईं. प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें फिर से मंत्री बनाना जरूरी नहीं समझा. वह फिर मुंबई लौटकर एकता कपूर के उसी सीरियल में पुरानी भूमिका निभाने लगीं.'

हमने कहा, 'किसी का राजयोग हमेशा टिका नहीं रहता. स्मृति ईरानी की हालत देखकर संत कबीर का दोहा याद आता है- मेरो मन कहां अनत सुख पावे, जैसे उड़ जहाज को पंछी फिर जहाज पे आवे !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12216

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		4	5	■	6
7			■	8			
	■	9		■		■	
■	10		■	11		12	
13		■	14		■		■
15			■	16	17		
18		■	19	■	20		■
■	21				■	22	

बाएं से दाएं

1. एक पुराण का नाम, परम वैष्णव 7. दूध गर्म करने पर उस पर जमने वाली तह 8. यम का दूत 9. दूब नामक घास (सं.) 10. राज्य, शासन 11. काट खाने वाला, चिड़चिड़ा 13. आधा, एक पेड़ जिसके सभी अंग कड़वे होते हैं 14. धनुष 15. काठ, वृक्ष का कटा हुआ कोई भाग 16. धीरे-धीरे चलना, हवाखोरी करना 18. विशाल, बहुत बड़ा 20. स्थिति, हालत 21. नीलम (सं.) 22. नारीत्व

ऊपर से नीचे

1. बच्चे के प्रति मां का स्नेह, मोह 2. मदिरा, शराब (सं.) 3. भैयादूज 4. आयु, अवस्था (सं.) 5. उल्लू निशाचर, (सं.) 6. इठलाना, घमंड करना 10. घटनाओं का विस्तृत वर्णन 11. छल, धोखाधड़ी 12. खगोलविज्ञ 13. नीले रंग का प्रसिद्ध रत्न 17. सीमा, मर्यादा (उर्दू) 19. बर्फ, पाला, शीत (सं.)

Solution 12215

व	का	ल	त	ना	मा	■	भा
की	■	त	ड़	का	■	ही	ला
ली	ची	■	■	बं	ध	न	■
■	र	व	■	दी	न	ता	■
आ	ह	■	आ	■	वा	■	सु
च	र	प	रा	■	न	ध	ना
र	ण	■	ध	रा	■	म	द
ण	■	अ	ना	व	र्त	क	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक योजनाओं में सुधार होगा. मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य मेंभाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्त होगा. वाहन पशु आदि से लाभ होगा. आर्थिक क्षेत्र में कमी के कारण योजनायें वाधित होंगी. वर्ष के अन्त में वाणी में कठोरता तथा क्रोध बना रहेगा. प्रियजनों के कारण हानि हो सकती है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को वाहन पशु आदि का लाभ होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु की गतिविधियों पर नजर रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. शत्रु वर्ग परास्त होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को प्रियजनों की वाणी में कठोरता तथा क्रोध बना रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आर्थिक कार्यों में सावधानी रखनी चाहिये. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को समय लाभदायक रहेगा. यात्रा में उठाईगीरों से सतर्कता बांछनीय. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिजनों का अच्छा खासा सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक दुबला पतला लंबे कद का भावुक और खर्चीले स्वाभाव का होगा, यह महत्वाकांक्षी, कल्पनाप्रिय, स्थिर बुद्धि का होगा, शिक्षा विभाग में उच्च पद प्राप्त करेगा, माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

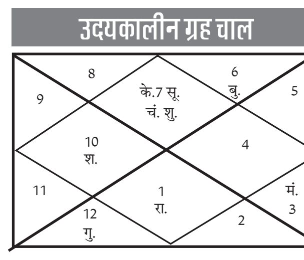

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा गुरूवासरे प्रात: 6/28, हस्त नक्षत्रे दिन 4/35, ध्रुव योगे दिन 1/31, वव करणे सू.उ. 5/51, सू.अ. 6/9, चन्द्रचार कन्या रातअंत 5/21 से तुला, पर्व- स्नानदान पूर्णिमा, श्री हनुमान जन्मोत्सव, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

मेष- दौड़ धूप से कामकाज बनेंगे, सामाजिककार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे, यश और कीर्ति मिलेगी, दूर गये मित्र के संबंध में सुखद समाचार प्राप्त होगा.

वृषभ- नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी, भावुकता में लिये ये फैसले बदलना पड़ेगे, स्वास्थ्य के संबंध में सुधार होगा, खानपान पर नियंत्रण रखें.

मिथुन- राजकीय मामले पक्ष में सुलझेंगे, कानूनी मामले पक्ष में मजबूत होंगे, पारिवारिक शत्रुता में वृद्धि होगी, अनावश्यक खर्च होगा, संयम बनाये रखें.

कर्क- उलझनें दूर होंगी, चुप रहने से लोग गलत समझ सकते हैं, आय के स्त्रोत बढ़ेंगे, अतिथि आगमन का योग है, मैत्री संबंधी प्रगाढ़ता आयेगी.

सिंह- नये सौदे के कार्य बनेंगे, धार्मिक कार्य में खर्च की संभावना है, राजकीय कार्य में सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय उत्तम रहेगा.

कन्या- खानपान में सावधानी रखें, रोजगार के नये अवसर मिलेंगे, जमीन जायजाद संबंधी विवाद को टालने का प्रयास करें, महिला जाति की सलाह ले.

तुला- सुख सुविधा पर खर्च होगा, जिसे चाहते हैं, उससे मन की बात कह दें, रिश्ते मजबूत होंगे, आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा, स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

वृश्चिक- निजी कार्यो के लिये सिफारिश करना पड़ सकती है, मेहनत का लाभ मिलेगा, व्यापार व्यवसाय में सुधार होगा, परोपकारी कार्यों में सुख मिलेगा.

धनु- जीवनसाथी की भावना का सम्मान करें, अपनों की मदद से प्रसन्नता मिलेगी, मनोरंजन भ्रमण आमोद प्रमोद के अवसर मिलेंगे.

मकर- अटकी योजनाओं में प्रगति होगी, उच्च अध्ययन के लिये दूर जाना पड़ सकता है, आय से अधिक धन व्यय होगा, दैनिक कार्यो में बाधा आयेगी.

कुम्भ- विरोधी परेशान करेंगे, अधिकारियों के संपर्क से लाभ मिलेगा, अतिथि आगमन का योग है, विशिष्टजनों के संपर्क से नया कार्य बनेगा.

मीन- कामकाज में देरी से तनाव बढ़ेगा, बुजुर्गो के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, नौकरी संबंधी अधिकारियों से मेल मुलाकात होगी, विवादास्पद कार्यो को टालें.

व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मूँग, मोठ, रूई, सोना, गुड़, खांड़, के भाव में तेजी होगी, चांदी के भाव चाल मंदी की रहेगी, वायदा विचार आज हाजिर मार्केट में पिछले दिन के बने भाव पर व्यवसाय कर लाभ प्राप्त करें, भाग्यांक 2492 है.

SUDOKU 7348

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7347

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4